नेपाल-काठमाण्डू। महात्मा गांधी की 152वीं जयंती पर नेपाल के गांधी पीस फाउंडेशन द्वारा प्रज्ञा प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में नागठाणे,महा. की सेवाकेन्द्र संचालिका डॉ. ब्र.कु. सुवर्णा तथा डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके को भारत के प्राचीन राजयोग के प्रचार-प्रसार के लिए नेपाल के प्रथम उपराष्ट्रपति परमानंद झा जी ने 'महात्मा गांधी ग्लोबल अवॉर्ड 2021' से सम्मानित किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़,नेपाल की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

थलतेज-अहमदाबाद(गुज.)। गुजरात के नये मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल को बधाई व ईश्वरीय सौगात देने एवं रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. आशा बहन।

दिल्ली-हरिनगर। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा राज्यमंत्री मनीष सिसोदिया को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नेहा। साथ हैं ब्र.कु. चौधरी, ब्र.कु. रंजन, ब्र.कु. लोकेश तथा ब्र.कु. गीता।

उदगीर-महा.। सेवाकेन्द्र में आने पर संजय बाबूराव बनसोडे,मिनिस्टर ऑफ स्टेट फॉर एनवायरमेंट,वाटर सप्लाई एंड सैनिटेशन,महा.सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. महानंदा दीदी।

मुम्बई-घाटकोपर(महा.)। प्रसिद्ध फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शकु दीदी तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

मुम्बई-फ्लैमिंगो(मलाड)। तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम टीवी एक्टर श्याम पाठक एवं उनके परिवार को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् उनके साथ ब्र.कु. नीरजा बहन।

मनसा सेवा द्वारा साकाश देने की विधि

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

हर आत्मा ये चाहना रखती है कि अभी हमें सूक्ष्म साकाश की सेवा करने की आवश्यकता है। क्योंकि स्थूल में हम सभी ने बहुत सेवायें कर लीं। अनेक प्रकार से सेवाओं की विधि को अपनाया। लेकिन सूक्ष्म साकाश की सेवा अब यही समय की पुकार कहो, समय की मांग कहो, क्योंकि चारों ओर जैसे बाबा कहते हैं कि दिन- प्रतिदिन समय नाजुक होता जा रहा है और इस नाजुक समय में विधियां तो बदलती रहती हैं। जिस तरह से बाबा के मिलन की विधि भी परिवर्तन हुई, इसी प्रकार सेवा की विधि भी बदलती जा रही है। अब तक हमने स्थूल रूप से प्रदर्शनियों द्वारा, मेलों के द्वारा बहुत सेवायें की। अब आने वाले समय के अन्दर वाणी भी काम नहीं करेगी। क्योंकि साधन भी फेल होने लगेंगे। तो फिर क्या करेंगे, मनसा सेवा ही एकमात्र विकल्प होगा। और इसीलिए बाबा हमें ये अवसर दे रहा है कि अब मनसा सेवा में नम्बरवन लेना है। क्योंकि जो मार्क्स फाइनल मिलने हैं तीनों के आधार पर मिलेंगे। अब बात आती है कि मनसा सेवा कैसे करें?

सबसे पहली विधि जो है, वो है शुभभावना-शुभकामना प्रवाहित होने देना अर्थात् शुद्ध संकल्पों द्वारा। दूसरा जो बाबा कहते हैं वृत्ति द्वारा वायुमण्डल बनाना और तीसरा स्थिति द्वारा।

अब हम आगे वर्णन करते हैं पहली विधि का... शुभभावना और शुभकामना के द्वारा। उसके लिए चाहिए शुद्ध संकल्प। और जितना हमारे संकल्पों की शुद्धि होगी, उतना हमारी शुभभावना प्रवाहित होगी। क्योंकि संकल्प और भावना दोनों का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है। व्यक्ति जो सोचता है वैसी उसकी भावना क्रियेट होती है। तो शुभभावना के लिए चाहिए शुद्ध संकल्प। और शुद्ध संकल्पों का खज़ाना कहाँ से प्राप्त होता है... मुरली से। उसके माध्यम से शुद्ध संकल्पों को क्रियेट करना सहज है। क्योंकि जितना मुरली का अच्छी तरह से अध्ययन करते हैं उतना हमारे पास ये स्टॉक शुद्ध संकल्पों का बढ़ता जाता है। और तब हमारी भावनायें स्वतः प्रवाहित

अब आने वाले समय के अन्दर वाणी भी काम नहीं करेगी। क्योंकि साधन भी फेल होने लगेंगे। तो फिर क्या करेंगे...

होंगी। अब मैं यहाँ से प्रवाहित कर रही हूँ। माध्यम क्या है? संकल्पों की शक्ति। और इस शक्ति के माध्यम से हम प्रवाहित कर रहे हैं। उस तक पहुंचे। कोई आत्मा तक पहुंचे। लेकिन उसकी बुद्धि कितनी जगह एंगेज है, आपका वो रिसिव ही नहीं कर रहा है। क्योंकि प्रवाहित करते-करते हमारे अन्दर सबसे बड़ा विघ्न जो बनता है वो हैं व्यर्थ संकल्प। इसीलिए बाबा कहता है ये व्यर्थ भी एक प्रकार की इम्प्योरिटी है।

जब आप शुद्ध संकल्प कर रहे हैं, शुद्ध भावनाओं को प्रवाहित करने का प्रयास कर रहे हैं और उस समय अन्दर अगर व्यर्थ चलता है...कर तो रहे हैं पता नहीं, पता नहीं ये सुधरेगा या नहीं, पता नहीं मेरा पहुंच भी रहा है या नहीं। तो ये जो व्यर्थ है वो उस चीज़ के लिए जैसे बैरियर लगा देता है, उसको पहुंचने नहीं देता है। दूसरा अगर मेरी इंटरनल स्टेज पॉवरफुल नहीं है जैसे बाबा कई बार कहते हैं कि कोई वायरलेस होता है लेकिन अगर उसकी कैपेसिटी ज़्यादा दूर तक जाने की है ही नहीं तो कहाँ तक पहुंचेगा? उस आत्मा तक पहुंचता ही नहीं है। उसके अन्दर इतना पॉवर ही नहीं है जो उसे दूर तक पहुंचा सके। तो इसीलिए बाबा कहते हैं कि कई बार बच्चे ये गलती करते हैं कि हम उसको दें।

ये सूक्ष्म मनसा सेवा जो हम कर रहे हैं जब वो पहुंच ही नहीं रही है, तो टाइम वेस्ट हो रहा है। इसीलिए इसका सही तरीका ये है कि हम अपने सूक्ष्म अव्यक्त फरिश्ते स्वरूप से सूक्ष्म वतन में जायें वहाँ जिसको भी मुझे पहुंचाना है मैं वो संकल्प बाबा को दे दूं। बाबा तो पॉवर हाऊस है ना! उसकी पॉवर और मेरी पॉवर में तो अंतर होगा। जब मैं ये संकल्प बाबा को दे देती हूँ तो फिर उस आत्मा को इमर्ज करें बाबा के सम्मुख। जब हम फरिश्ता स्वरूप में स्थित होकर वतन में बाबा के सामने बैठते हैं, बाबा को परिचय देते हैं कि ये आत्मा है इस जन्म में मेरा ये संबंध है। तो जब इस रीति से हम बाबा के सामने उसका परिचय देते हैं तो मेरापन समाप्त हो जाता है उस आत्मा के साथ। ये भी बाबा के बच्चे हैं ये भावना जागृत हो जाती है। ये शुद्ध भावना है। ये आत्मा भी परमात्मा की संतान है। इस आत्मा का भी कल्याण हो। ये हमारी शुद्ध भावना है, आत्मा की रीति से देखते हुए बाबा को सौंप दें। तो बाबा को जो देना होगा उसको उसकी पात्रता के हिसाब से, वो बाबा देगा। उसके बाद मेरा संकल्प नहीं चलना चाहिए। तो यही शुभभावना और शुभकामना पहले प्रकार की मनसा सेवा है।

क्रमशः

चिरोडा-गांधीनगर(गुज.)। गुजरात तथा दीव दमन के एन.सी.सी. के डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल अरविंद कपूर को उनके अहमदाबाद स्थित कार्यालय में रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् प्रसाद देते हुए ब्र.कु. तारा दीदी। इस मौके पर ब्र.कु. जय भाई तथा डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके उपस्थित रहे।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। मंडला जिले की राज्यसभा सांसद श्रीमति संपतिया उइके के ओ.आर.सी. रिट्रीट सेंटर में आने पर आध्यात्मिक चर्चा एवं रिट्रीट सेंटर के अवलोकन पश्चात् उन्हें ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ओ.आर.सी. की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। इस मौके पर सांसद की सुपुत्री काजल उइके, मंडला की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ममता बहन व ब्र.कु. ओमलता बहन उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

एस.एल.एम. ग्लोबल नर्सिंग कॉलेज/ग्लोबल हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग, शिवमणि होम के पास, तलहटी आबू रोड के लिए एक असिस्टेंट वॉर्डन, दो बी.के. किचन असिस्टेंट और एक कुक(मेल, अच्छी हिन्दी बोलने वाला) की अतिशीघ्र आवश्यकता है।

! योग्यता !

असिस्टेंट वॉर्डन : बी.ए., कम से कम तीन वर्ष का होस्टल वॉर्डन का कार्यानुभव
किचन असिस्टेंट : हाई स्कूल, खाना बनाने का कम से कम दो वर्ष का अनुभव
कुक : हाई स्कूल, अच्छा खाना बनाने का अनुभव(मिठाइयों सहित)

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये,
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या
बैंक ड्राफ्ट (पेयबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

For Online Transfer
BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NO: - 30826907041
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH:- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan
Note:- AfterTransfer send detail on E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org or
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087